पंचदश

बिहार विधान-सभा

षोडश सत्र

तारांकित प्रश्न

वर्ग-1

सोमवार, तिथि 16 चैत्र, 1937 (श०) / 06 अप्रील, 2015 (ई०)

प्रश्नों की कुल संख्या 39

(1)	गृह विभाग	21
(2)	वाणिज्य–कर विभाग	02
(3)	वित्त विभाग	02
(4)	उद्योग विभाग	01
(5)	सांस्थिक वित्त विभाग	06
(6)	कारा विभाग	01
(7)	गन्ना उद्योग विभाग	04
(8)	मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग	02
	कुल योग —	39

घेराबंदी कराना

*951. श्री रामसेवक सिंह--क्या मंत्री, गृह (विशेष) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि गोपालगंज जिला के नगर पंचायत, भोरगंज में वार्ड नम्बर 13 में स्थित कब्रगाह की घेराबंदी नहीं हुई है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त स्थल का घेराबंदी कराने का विचार रखती है, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

पुलिस पद पर नियुक्ति

*952. श्री अजीत शर्मा--क्या मंत्री, गृह (आरक्षी) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि बिहार के अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों को पुलिस में नियुक्ति के लिये प्रशिक्षण देने के लिये वर्ष 1996 में विज्ञापन निकाला गया था जिसका विज्ञापन संख्या 01/96 था ;

(2) क्या यह बात सही है कि आरक्षी अधीक्षक, भागलपुर के ज्ञापांक 3387/गो0, दिनांक 28 अक्टूबर, 1996 के द्वारा पुलिस में नियुक्ति हेतु अल्पसंख्यक समुदाय के 202 उम्मीदवारों का चयन कर वरीयता सूची का प्रकाशन किया गया था, उक्त चयनित उम्मीदवारों को प्रशिक्षण कराने के बाद भी आजतक पुलिस पद पर नियुक्ति नहीं किया गया है ;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो उक्त विज्ञापन में चयनित भागलपुर के अल्पसंख्यक समुदाय के उम्मीदवारों को अभीतक पुलिस पद पर नियुक्ति नहीं करने का क्या औचित्य है ?

बैंक खुलवाना

*953. श्री रामायण माँझी--क्या मंत्री, सांस्थिक वित्त विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि सीवान जिला अन्तर्गत गुठनी प्रखंड के ग्राम-बलुआ बाजार में कोई भी बैंक जनहित में स्थापित नहीं है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त गाँव की जनसंख्या 7,000 से ज्यादा है, जबकि 5,000 जनसंख्या वाले गाँवों में बैंक खोलने का प्रस्ताव है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार सीवान जिला के गुठनी प्रखंड के ग्राम-बलुआ बाजार में जनहित में बैंक खुलवाना चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

कब्रिस्तान की घेराबंदी

*954. श्री कुमार शैलेन्द्र--क्या मंत्री, गृह (विशेष) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि भागलपुर जिला के अन्तर्गत बिहपुर प्रखंड के लतीपुर उत्तर पंचायत में कब्रिस्तान की घेराबंदी नहीं होने से अतिक्रमण हो रहा है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त कब्रिस्तान की घेराबंदी कबतक कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

बैंक की शाखा खोलना

*955. श्री महेन्द्र बैठा--क्या मंत्री, सांस्थिक वित्त विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि वैशाली जिलान्तर्गत जनदाहा प्रखंड के चाँद सराय की आबादी 5 हजार से अधिक है, चाँद सराय घाट के पास कोई राष्ट्रीयकृत बैंक की शाखा नहीं है ;

(2) क्या यह बात सही है कि चाँद सराय हाट के पास कोई राष्ट्रीयकृत बैंक की शाखा नहीं होने के कारण आम जनता को व्यवसायिक कार्य हेतु 30 कि0 मी0 दूर जाना पड़ता है ;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार चाँद सराय हाट पर सरकारी बैंक की शाखा खोलने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

बैंक की शाखा खोलना

*956. श्री अजय कुमार चुलगानीन--क्या मंत्री, वित्तीय वित्त विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि समस्तीपुर जिला अन्तर्गत पटोरी प्रखंड में पाँच पंचायतों का एक बड़ा गाँव धमौन है, जिसकी आबादी 50 हजार के आस-पास है, जहाँ बैंक शाखा नहीं है ;

(2) क्या यह बात सही है कि यहाँ के लोगों को बैंक कार्य हेतु 15 से 20 कि0 मी0 दूर जाना पड़ता है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उपर्युक्त गाँव में बैंक की शाखा खोलने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

योजना का लाभ

*957. श्री विक्रम कुँवर--दिनांक 25 फरवरी, 2015 को हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र में प्रकाशित शीर्षक ''योजनाओं का नहीं मिल रहा सही लाभ, बिचौलियों हो रहे मालामाल, हस्तकरघा योजना खस्ता हाल, बेरोजगार हैं जिले के बुनकर'' के आलोक में क्या मंत्री, उद्योग विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य में मुख्य मंत्री समेकित हस्तकरघा योजना का लाभ योजना के प्रसार एवं उसके क्रियान्वयन के अभाव में बुनकरों को नहीं मिल रहा है ;

(2) क्या यह बात सही है कि वर्ष 2013 से मुख्य मंत्री समेकित हस्तकरघा योजना की शुरूआत बुनकारों की आर्थिक स्थिति सुधारने हेतु किया गया है ;

(3) क्या यह बात सही है कि वित्तीय वर्ष 2014-15 में इस योजना के लिये आवंटन भी नहीं दिया गया है ;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त योजना का लाभ बुनकरों को पहुँचाने की दिशा में कौन-सी कार्रवाई करना चाहती है ?

राजस्व क्षति को रोकना

*958. श्री अरूण शंकर प्रसाद--स्थानीय दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 25 जनवरी, 2015 को प्रकाशित शीर्षक ''यात्री बसें बनी टैक्स चोरी का जरिया'' को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, वाणिज्य-कर विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि पटना से कोलकता जाने वाली 25-30 यात्री बसों पर अवैध तरीके से रेडिमेड गारमेंट, दवा, इलेक्ट्रिक गुड्स समेत अन्य सामान पैकेटों में बाँधकर बिना टैक्स दिये लाये जा रहे हैं ;

(2) क्या यह बात सही है कि प्रतिदिन सात ट्रक सामान के बराबर माल ढुलाई के हिसाब से महीने में 200 ट्रक सामान के बराबर माल ढुलाई होता है, इस प्रकार महीने में 36-40 करोड़ रुपये की अवैध ढुलाई हो रही है जिससे 36 करोड़ रुपये के राजस्व का महीने में नुकसान हो रहा है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार अवैध तरीके से माल ढुलाई पर रोक लगाकर सरकारी राजस्व में हो रहे क्षति को रोकने के लिये कौन-सा उपाय करना चाहती है ?

चहारदीवारी का निर्माण

*959. श्री महेन्द्र बैठा--क्या मंत्री, गृह (आरक्षी) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि वैशाली जिलान्तर्गत पातेपुर प्रखंड के बलिगाँव एवं तिसऔता थाना का चहारदीवारी नहीं है, यदि हाँ, तो सरकार बलिगाँव एवं तिसऔता थाना का चहारदीवारी का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

थाना का निर्माण

*960. श्री अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय--क्या मंत्री, गृह (आरक्षी) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि गोपालगंज जिला के पंचदेवरी प्रखण्डान्तर्गत जनता बाजार, गोपालपुर थाना एवं कटेया थाना से 50 कि०मी० की दूरी पर होने के कारण प्रशासनिक पदाधिकारियों को संधारण में हो रही असुविधा के मद्देनजर प्रश्नकर्ता सदस्य द्वारा माह जुलाई, 2013 एवं अप्रील, 2014 में जनता बाजार में सहायक थाना खोलने हेतु विभागीय प्रधान सचिव से अनुरोध किये जाने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त बाजार में सहायक थाना का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

*961. श्री मंजीत कुमार सिंह--क्या मंत्री, गन्ना उद्योग विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि वित्तीय वर्ष 2014-15 में राज्य योजना अन्तर्गत बेतिया, मोतिहारी, गोपालगंज, सीवान, सारण, शिवहर, सीतामढ़ी, समस्तीपुर, बेगूसराय, खगड़िया जिला में डीजल अनुदान हेतु 1000.00 करोड़ के आवंटन के विरुद्ध मात्र 707.792 करोड़ राशि खर्च की गई है, यदि हाँ, तो लक्ष्य के अनुरूप राशि खर्च नहीं होने का क्या औचित्य है तथा इसके लिये सरकार दोषी पदाधिकारी के विरुद्ध कौन-सी कार्रवाई करना चाहती है ?

कार्रवाई करना

*962. श्री दिनेश कुमार सिंह--क्या मंत्री, गृह (आरक्षी) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पटना के बेली रोड, ललित भवन के आगे पुनाईचक जाने वाले रास्ते में प्रत्येक दिन भयंकर सड़क दुर्घटना होती है तथा विगत पाँच वर्षों में दर्जनों व्यक्तियों की मौत हो चुकी है, जिससे जानमाल को काफी क्षति हुई है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त स्थल पर हो रहे दुर्घटना से बचाव हेतु कौन-सी कार्रवाई करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

थानों को खोलना

*963. डॉ० अच्युतानन्द--क्या मंत्री, गृह (आरक्षी) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि अप्रैल, 2014 में राज्य सरकार द्वारा वैशाली जिला अन्तर्गत महिसौर, पानापुर लंगा, हरिलोचनपुर तथा कालीपुर में नया थाना खोलने का निर्णय लिया गया था ;

(2) क्या यह बात सही है कि उपरोक्त थानों के खोलने का निर्णय एक वर्ष में पूरा नहीं किया जा सका है ;

(3) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक उपरोक्त स्थानों पर थानों को खोलने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

राशि का भुगतान

*964. श्री मंजीत कुमार सिंह--क्या मंत्री, गन्ना उद्योग विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि बिहार राज्य में कार्यरत सभी चीनी मिलों के द्वारा वर्ष 2013-14 एवं 2014-15 में 90 दिन बीत जाने के बाद भी 10 लाख गन्ना किसानों को 1 अरब 86 करोड़ रुपये की भुगतान नहीं की गई हैं ;

(2) क्या यह बात सही है कि ईख आपूर्ति एवं खरीद अधिनियम, 1981 के प्रावधानों के अनुसार ईख आपूर्ति की चौदह दिनों के अन्दर गन्ना आपूर्ति करने वाले संबंधित गन्ना किसानों को गन्ने का मूल्य भुगतान करने का प्रावधान है ;

(3) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो गन्ना किसानों के बकाया राशि का भुगतान कबतक कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पैसा वापस दिलाना

*965. श्री अजीत शर्मा--हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 16 दिसम्बर, 2014 को प्रकाशित शीर्षक ''लाखों का चूना लगा भागी नन बैंकिंग कम्पनी, बवाल'' को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, वित्त विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि भागलपुर जिलान्तर्गत नाथनगर नसरतखानी के अर्शदीप फाइनांस लि० व राहुल हाई राइज लिमिटेड के नाम से दो नन बैंकिंग कम्पनियाँ लाखों का चूना लगाकर भाग गयी हैं ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त नन बैंकिंग कम्पनियों ने कम समय में दोगुणा व तिगुणा किये जाने एवं 12.5 प्रतिशत ब्याज के साथ पैसा देने का वादा कर पैसा जमा करवाया था ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त नन बैंकिंग पर कार्रवाई करते हुये जमाकर्ता का पैसा वापस दिलाने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

*966. श्री प्रमोद कुमार--क्या मंत्री, गन्ना विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि विभागीय आदेश अनुसार वर्ष 2014-15 में मोतिहारी चीनी उद्योग के प्रबंधक एवं मालिक श्री विमल नोपानी के ऊपर किसानों के बकाया का भुगतान हेतु प्रधान सचिव, ईख विभाग द्वारा वर्ष 2013-14 में प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया गया है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त आदेश के आलोक में अभीतक न तो भुगतान हुआ न ही मिल मालिक के ऊपर कार्रवाई हुआ ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार मिल प्रबंधक एवं मालिक के विरुद्ध कार्रवाई करने का विचार रखती है, हाँ तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

बच्चे की बरामदगी

*967. श्री सुरेन्द्र मेहता--क्या मंत्री, गृह (आरक्षी) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि बेगूसराय, लोहियानगर से इशु नाम के बच्चे का अपहरण 1 मार्च, 2014 को हो गया था, जिसका कांड संख्या 166/14 बेगूसराय है जिसका अभीतक पता नहीं चल सका है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त बच्चे (इशु) को कबतक बरामद करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

नियमित बैठक कराना

*968. श्री संजय सरावगी--क्या मंत्री, गृह (आरक्षी) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि गृह विभाग के सचिव के पत्रांक स०क०नि० 27/23/2011/1424, दिनांक 10 दिसम्बर, 2011 के अनुसार सभी जिलों में सेवारत एवं भूतपूर्व सैनिक तथा उनके आश्रितों के समस्याओं का निराकरण करने के लिये जिला स्तर पर अनुश्रवण समिति का गठन करने का निर्देश राज्य के सभी जिला पदाधिकारी को दिया था ;

(2) क्या यह बात सही है कि इन अनुश्रवण समिति की बैठकें प्रत्येक माह में आयोजित करनी थी ;

(3) क्या यह बात सही है कि दरभंगा समेत अबतक 15 जिलों में अनुश्रवण समिति का गठन नहीं हुआ है ;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार दरभंगा समेत सभी जिलों में सैनिक की समस्या के निदान के लिये अनुश्रवण समिति की गठन कर नियमित बैठक कराना चाहती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

जेल का निर्माण

''क''- *969. श्री चितरंजन कुमार--क्या मंत्री, कारा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि अरवल जिले में जेल का निर्माण नहीं हुआ है ;

(2) क्या यह बात सही है कि जहानाबाद जेल की अधिक दूरी रहने के कारण परेशानी होती है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार अरवल में जेल का निर्माण कराना चाहती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

थाना खोलना

*970. श्री संजय सिंह ''टाईगर''--क्या मंत्री, गृह (आरक्षी) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि भोजपुर जिलान्तर्गत संदेश प्रखंड के अखगाँव में ग्रामीण बहुत पुराना बाजार लगता है, जहाँपर विभिन्न तरह की गतिविधियाँ होती रहती है ;

(2) क्या यह बात सही है कि अखगाँव बाजार से संदेश थाना की दूरी 9 कि०मी० है, जहाँपर लोगों को थाना में शिकायत दर्ज कराने में काफी परेशानी होती है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार जनहित में अखगाँव बाजार में थाना खोलने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

बैरक निर्माण कराना

*971. श्री जवाहर प्रसाद--क्या मंत्री, गृह (आरक्षी) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि रोहतास जिला के सासाराम नगर थाना का भवन अंग्रेजों द्वारा आजादी के पूर्व में बनायी गई है ;

नोट:--''क''- गृह (आरक्षी) विभाग से कारा विभाग में स्थानान्तरित ।

(2) क्या यह बात सही है कि संतरियों को रहने वाला भवन अतिजर्जर होने के कारण कभी भी दुर्घटनाग्रस्त हो सकते हैं, जिससे अप्रिय घटना घटने का डर सिपाहियों में व्याप्त रहता है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार सासाराम नगर थाना पर संतरियों को रहने के लिये अलग भवन (बैरक) निर्माण कराना चाहती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

बैंक की शाखा खोलना

*972. श्री मनोहर प्रसाद सिंह--क्या मंत्री, वाणिज्यिक वित्त विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि कटिहार जिला के अमदाबाद प्रखंड के लखनपुर ग्राम पंचायत के डकरा इंगलिश, दिल्ली दिवानगंज, लखनपुर, पदुवापाड़ा, जियामारी, बेलगच्छी, घसिया गाँव के लगभग 30 हजार आबादी को निकट में कोई बैंकिंग सुविधा उपलब्ध नहीं रहने से उन्हें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है ;

(2) क्या यह बात सही है कि डकरा इंगलिश इन गाँवों के बीच में पड़ता है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर सही हैं, तो क्या सरकार उन ग्रामीणों को सुविधा के लिये डकरा इंगलिश में बैंकिंग सुविधा हेतु ग्रामीण बैंक की शाखा खोलने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक और नहीं, तो क्यों ?

नियुक्त करना

*973. श्री संजय सरावगी--क्या मंत्री, गृह (आरक्षी) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार सैनिक कल्याण विभाग के पत्रांक 10/(4)VI/(98सी)/डी० (आर०ई०एस०)/09, दिनांक 6 अगस्त, 2009 के निर्देशानुसार बिहार सरकार के मुख्य सचिव को दिये निर्देश के अनुसार बिहार राज्य सैनिक कल्याण निदेशक के पद पर ब्रिगेडियर/कर्नल/(सैनिक पदाधिकारी) की नियुक्ति होनी चाहिये ;

(2) क्या यह बात सही है कि पिछले 20 वर्षों से उपर्युक्त पद पर सैनिक पदाधिकारी के बदले बिहार सरकार द्वारा प्रतिनियुक्त (सिविल) पदाधिकारी नियुक्त हैं ;

(3) क्या यह बात सही है कि राज्य सरकार के पदाधिकारी बिहार राज्य सैनिक कल्याण निदेशक के पद पर नियुक्त रहने के कारण सैनिकों के समस्याओं का सही ढंग से निदान नहीं हो पाता है ;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार भारत सरकार के रक्षा विभाग के दिये गये निर्देशों के अनुसार बिहार राज्य सैनिक कल्याण निदेशक के पद पर सैन्य पदाधिकारियों को नियुक्त कराना चाहती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

व्यवस्था सुनिश्चित कराना

*974. श्री नितिन नवीन--स्थानीय हिन्दी दैनिक समाचार में दिनांक 28 दिसम्बर, 2014 को प्रकाशित शीर्षक ''संसाधनों की कमी झेल रही यातायात पुलिस'' को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, गृह (आरक्षी) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है पटना जिलान्तर्गत राजधानी पटना में 20 लाख की आबादी के लिये ट्रैफिक पुलिस के पास मात्र 5 गाड़ियाँ हैं तथा क्रेन का भी अभाव है जो क्रेन है उनमें ड्राइवर की कमी है, यदि हाँ, तो क्या सरकार ट्रैफिक गाड़ियों की संख्या एवं क्रेन की व्यवस्था सुनिश्चित कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सरकारी बैंक खोलना

*975. श्री कुमार शैलेन्द्र--क्या मंत्री, सांस्थिक वित्त विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि भागलपुर जिलान्तर्गत खरीक प्रखंड स्थित तेलघी पंचायत में सरकारी बैंक नहीं है;

(2) क्या यह बात सही है कि तेलघी पंचायत की आबादी बीस हजार के करीब है एवं नब्बे प्रतिशत लोग कृषि की खेती करते हैं;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त किसानों के हित में तेलघी पंचायत में सरकारी बैंक खोलने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

पुलिस थाना खोलना

*976. श्री प्रेम रंजन पटेल--क्या मंत्री, गृह (आरक्षी) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि लखीसराय जिलान्तर्गत चानन प्रखंड नक्सल प्रभावित जंगली व पहाड़ी इलाका है;

(2) क्या यह बात सही है कि चानन प्रखंड 30 कि०मी० के क्षेत्र में फैला दुर्गम व आपराधिक क्षेत्र है;

(3) क्या यह बात सही है कि चानन प्रखंड में एक मात्र थाना चानन मननपुर में रहने से आपराधिक घटनाओं पर नियंत्रण करना कठिन होता है;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार चानन प्रखंड में बन्नुबगीचा एवं भलुई में पुलिस थाना खोलने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

संसाधन उपलब्ध कराना

*977. श्रीमती पूनम देवी यादव--हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 30 जनवरी, 2015 को छपी खबर ''फाइलों में दबी है नक्सल दबिश की योजनाएँ'' की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुये क्या मंत्री, गृह (आरक्षी) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि सात नदियों की गोद में बसा व आधा दर्जन जिलों की सीमा से लगे खगड़िया जिला के 104 गाँव नक्सल प्रभावित हैं;

(2) क्या यह बात सही है कि वर्ष 2013-14 में गंगौर, बहादुरपुर, पीपरपाति व अमौसी थाना को नक्सल प्रभावित घोषित किया गया लेकिन क्षेत्राधिकारी घोषित नहीं किये जाने के कारण नक्सलियों के खिलाफ बनी योजनाएँ अबतक फाइलों में दबी हुई है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के थानों को प्रावधान के अनुसार संसाधन उपलब्ध कराने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

राजस्व वसूलने का औचित्य

*978. डॉ० अच्युतानन्द--दैनिक समाचार-पत्र के दिनांक 18 फरवरी, 2015 के अंक में छपी खबर के आलोक में क्या मंत्री, वाणिज्य-कर विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि वित्तीय वर्ष 2014-15 में सरकार द्वारा 25 हजार 662 रुपये की राशि कर के रूप में वसूलने का लक्ष्य निर्धारित है;

(2) क्या यह बात सही है कि अभीतक सरकार द्वारा मात्र 15 हजार 500 रुपये की राशि ही कर के रूप में वसूला गया है;

(3) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो अभीतक लक्ष्य का मात्र 60 प्रतिशत ही राजस्व वसूले जाने का क्या औचित्य है ?

कब्रिस्तानों की घेराबंदी

*979. श्री जितेन्द्र कुमार--क्या मंत्री, गृह (विशेष) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि नालन्दा जिला के अस्थावां प्रखंड के ग्राम-मिस्तीपुर एवं ग्राम-जाना में कब्रिस्तान विगत वर्ष 2013-14 में ध्वस्त हो गया है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त कब्रिस्तानों की घेराबंदी कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

कब्रिस्तान की घेराबंदी

*980. डॉ० इजहार अहमद--क्या मंत्री, गृह (विशेष) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि दरभंगा जिला के इस्माईलगंज मुहल्ला के मौजे-बेलवागंज, खाता संख्या 1, खेसरा संख्या 31, म्युनिसपलिटी खेसरा सं० 38141 में अवस्थित कब्रिस्तान की घेराबंदी नहीं करायी गयी है;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त कब्रिस्तान की घेराबंदी कराने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

गंदा पानी रोकना

*981. श्री राम सूरत राय--क्या मंत्री, गन्ना उद्योग विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि मुजफ्फरपुर जिलान्तर्गत औराई विधान-सभा क्षेत्र स्थित सीतामढ़ी जिला होते हुये मनुष्यमारा नदी, औराई एवं कटरा प्रखंड के धड़हरवा, घनश्यामपुर इत्यादि पंचायत होते हुये लखनदेई नदी में समाहित होती है;

(2) क्या यह बात सही है कि सीतामढ़ी जिला में स्थापित रीगा चीनी मिल द्वारा विगत 5 वर्षों से गंदा एवं काला पानी अधिक मात्र में छोड़ने के कारण नदी का पानी जहरीला एवं प्रदूषित हो गया है;

(3) क्या यह बात सही है कि मनुष्यमारा नदी का पानी प्रदुषित एवं जहरीला होने के कारण वर्णित विधान-सभा के कृषकों का फसल नष्ट एवं मनुष्य तथा जानवर अनेक प्रकार के रोगों से ग्रसित हो गये हैं;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक उक्त नदी में गंदा एवं काला पानी बहाना बंद करना चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

कार्रवाई करना

*982. डॉ० इजहार अहमद--स्थानीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 16 दिसम्बर, 2014 को प्रकाशित शीर्षक "बस पड़ाव व स्टेशन पर ही हो जाता मरीजों का सौदा" को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, गृह (आरक्षी) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि दरभंगा जिलान्तर्गत दरभंगा में चिकित्सा हेतु आनेवाले मरीजों को वहाँ दलालों का दंश झेलना पड़ता है;

(2) क्या यह बात सही है कि वहाँ दलालों द्वारा मरीजों को चिकित्सा पेशे से जुड़े लोगों द्वारा तैनात किये गये कुछ रिक्शा एवं तांगा चालक अपने जाल में फंसाकर अनभिज्ञ मरीजों के परिजनों को अनजान जगहों पर मनचाहे नर्सिंग होम, अल्ट्रासाउण्ड स्थल में पहुँचाकर पैसे ऐंठ लिया करते हैं;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार ऐसे दलालों, रिक्शा चालक एवं तांगा चालकों को चिन्हित कर कार्रवाई करने का विचार रखती है और नहीं, तो क्यों ?

शाखा खोलना

*983. श्री मनोहर प्रसाद सिंह--क्या मंत्री, संस्थागत वित्त विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि कटिहार जिला के आमदाबाद प्रखण्ड अन्तर्गत बैरिया ग्राम पंचायत का बैरिया गाँव प्रखण्ड मुख्यालय आमदाबाद से लगभग 10 किलो मीटर दूर है;

(2) क्या यह बात सही है कि बैरिया और इसके करीब के बहादुरपुर, रसुलाबपुर, भसिया, डकरा, गौरीपुर, अमड़ा दिलारपुर, अमड़ा संथाली इत्यादि गाँवों को मिलाकर कुल 40 हजार से अधिक की आबादी को बैंकिंग सुविधा उपलब्ध नहीं है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बैरिया में ग्रामीण बैंक की शाखा खोलने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक और नहीं, तो क्यों ?

हवाई पट्टी की मरम्मती

*984. श्री रामसेवक सिंह--क्या मंत्री, मंत्रिमंडल सचिवालय (नागरिक विमानन) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि गोपालगंज जिला अन्तर्गत सबेया हवाई पट्टी का निर्माण अंग्रेजी शासन के समय किया गया तथा इसका क्षेत्रफल बिहार के सभी हवाई पट्टी से अधिक है;

(2) क्या यह बात सही है कि उस हवाई पट्टी का मरम्मत नहीं होने से यहाँ पर विमान नहीं उतर रहा है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त हवाई पट्टी की मरम्मत कराने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

चहारदीवारी बनाना

*985. श्रीमती पूनम देवी यादव--क्या मंत्री, गृह (आरक्षी) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि खगड़िया जिलान्तर्गत नक्सल प्रभावित थाना-मोरकाही, ओ०पी०, पसराहा एवं मानसी थाना में चहारदीवारी नहीं रहने से थाने की सुरक्षा में कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त थाने का कबतक चहारदीवारी बनाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

वेतन का भुगतान

*986. श्री (मो०) आफाक आलम--क्या मंत्री, मंत्रिमंडल सचिवालय (राजभाषा) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पूर्णियाँ जिलान्तर्गत अनुवादक, सहायक अनुवादक आदि राजभाषा कर्मियों का वेतन का भुगतान सितम्बर, 2014 से नहीं किया जा रहा है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त कर्मियों का वेतन का भुगतान कबतक कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

जीर्णोद्धार एवं चहारदीवारी का निर्माण

*987. श्रीमती रजिया खातुन--क्या मंत्री, गृह (आरक्षी) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पूर्वी चम्पारण जिलान्तर्गत कल्याणपुर प्रखण्ड स्थित कल्याणपुर थाना का भवन जीर्ण-शीर्ण है एवं थाना की चहारदीवारी नहीं है, यदि हाँ, तो सरकार कबतक उक्त थाना भवन का जीर्णोद्धार एवं चहारदीवारी का निर्माण कराना चाहती है ?

कार्रवाई करना

*988. श्री अरूण शंकर प्रसाद--क्या मंत्री, वित्त विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि पटना प्रमंडल के अन्य पाँच जिलों में प्रधान मंत्री रोजगार सृजन योजना की उपलब्धि नगण्य है;

(2) क्या यह बात सही है कि प्रमंडल के सभी जिलों को मिलाकर 1,515 बेरोजगार लोगों को ऋण देना था तथा प्रशासन की निगरानी में 2,145 आवेदन बैंकों को भेजा गया परन्तु दिसम्बर, 2014 तक मात्र 138 आवेदन को ही स्वीकृति दी गयी अर्थात लक्ष्य का 10 प्रतिशत भी अभीतक पूरा नहीं किया गया है, जबकि नालन्दा, रोहतास एवं बक्सर जिलों में एक भी लोगों को ऋण उपलब्ध नहीं कराया जा सका है;

(3) यदि उपरोक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बेरोजगारों को ऋण नहीं उपलब्ध कराने वाले बैंकों के विरुद्ध कौन-सी कार्रवाई करना चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

कब्रिस्तानों की घेराबंदी

*989. डॉ० अब्दुल गफूर--क्या मंत्री, गृह (विशेष) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सहरसा जिला अन्तर्गत सत्तर कटैया प्रखण्ड के बासिया घाट, बिहरा, बिजलपुर, गोबर गढ़ा, सत्तर महिषी प्रखण्ड के लहुआर, नाकुच, नवहट्टा प्रखण्ड के सत्तौर, बाकुनिया, परतहा, बारहरा कब्रिस्तान की घेराबंदी नहीं होने से कब्रिस्तान चारागाह बना हुआ है, यदि उपर्युक्त खण्ड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उपर्युक्त कब्रिस्तानों की घेराबंदी कराना चाहती है, यदि हाँ, कबतक, नहीं, तो क्यों ?

पटना:
दिनांक 6 अप्रील, 2015 (ई०) ।

हरेराम मुखिया,
प्रभारी सचिव,
बिहार विधान-सभा ।

बि०स०मु० (एल०ए०), 176 डी०टी०पी०--450